RAJYA SABHA

Tuesday, the 6th December, 1988/15th Agrahayana, 1910 (Saka)

The House met at eleven of the clock, Mr. Chairman in the Chair.

MEMBER SWORN

Shri Syed Sibte Razi (Uttar Pradesh).

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

*341. [*The questioner (Shri Jagdish Jain) was absent. For answer vide col. 28 infra]*

Warning issued to Pan Masala manufacturers

*342. SHRI MOHD. KHALEELUR RAHMAN:†

SHRI M. KADHARSHA:

Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether the Delhi Administration has issued a warning to the Pan Masala manufacturers for violating the Prevention of Food Adulteration Act by mixing saccharine in high percentage in Pan Masala;

(b) if so, what are the details thereof;

(c) whether any sample survey has been conducted in this regard; and

(d) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (KUMARI SAROJ KHAPARDE): (a) to (d) In the year 1987, Delhi Administration lifted samples of different brands of Pan Masala out of which 8 samples were found to contain saccharine, which is not permissible in any quantity. Thereafter, the Delhi Administration issued a warning in 5 leading newspapers on 3rd July, 1988 advising manufacturers/distributors/vendors of pan masala to stop the manufacture/storage and sale of pan masala and other similar commodities containing saccharine. The consumers were also advised to [illegible] declaration on the packets before buying pan masala to ensure that saccharine was not used as one of the ingredients.

†The question was actually asked on the floor of the House by Shri Mohd. Khaleelur Rahman.

श्री मोहम्मद खलीलुर रहमान : जनाब चेयरमैन साहब, मिनिस्टर साहिबा ने अपने जवाब में कहा है कि गवर्नमेंट ने कंज्यूमर्स को इंस्ट्रक्शन दी है कि वह पान मसाला इस्तेमाल करने से पहले पाकेट पर लेबल डिक्लेरेशन देखें क सेकरीन तो उस में शामिल नहीं है । मैं मिनिस्टर साहिबा से यह पूछना चाहता हूं कि हमारे मुल्क में तालीमयाफ्ता लोगों की तादाद सिर्फ़ 35 फ़ीसदी है, जबकि गैर-तालीमयाफ्ता लोगों की तादाद 65 फ़ीसदी है, तो क्या यह पोसिबल है कि यह 65 फ़ीसदी लोग इस मसले का इस्तेमाल करने से पहले इंस्ट्रक्शन देख सकते हैं ? इसलिए हुकूमत इस पर पाबंदी लगाने को क्यों नहीं सोचती है । ताकि पान-मसाला बनाने वाले सेकरीन इस्तेमाल ही न करें, जबकि यह सेकरीन हैजारडस चीज है ?

†[شری محمد خلیل الرحمان :

جناب چیرمین صاحب منسٹر صاحبہ نے اپنے جواب میں کہا ہے کہ گورنمنٹ نے کنزیومرس کو انسٹرکشن دی ہے کہ وہ پان مسالہ استعمال کرنے سے پہلے پاکٹ پر لیبل ڈکلیریشن دیکھیں کہ سکرین تو اس میں شامل نہیں ہے - میں منسٹر صاحبہ سے یہ پوچھنا چاہتا ہوں کہ ہمارے ملک میں تعلیم یافتہ لوگوں کی تعداد صرف ۳۵ فیصدی ہے - جب کہ غیر تعلیم یافتہ لوگوں کی

تعداد ۷۵ فیصدی ہے تو کیا یہ پوسیبل ہے کہ یہ ۷۵ فیصدی لوگ اس مسالہ کو استعمال کرنے سے پہلے انسٹرکشن دیکھ سکتے ہیں- اس لئے حکومت اس پر پابندی لگانے کی کیوں نہیں سوچتی ہے تاکہ پان مسالہ بنانے والے سکرین استعمال ہی نہ کریں - جبکہ یہ سکرین ہزارڈس چیز ہے -]

श्री रऊफ वलीउल्लाह : इससे केंसर होता है । . . . . (**व्यवधान**)

डा० बापू कालदाते : किसने कहा है कि केंसर होता है ? आप खाते थे रोज ।

AN HON. MEMBER: Does the Minister use *pan masala*?

KUMARI SAROJ KHAPARDE: I do not what is *pan masala* and what is *pan bahar* सर, माननीय सदस्य ने जो अभी सदन के सामने कहा कि पान-मसाला में जो सेकरीन की मिलावट होती है, यह हैजारडस है हेल्थ के लिए तो आपके द्वारा सदन को कहना चाहूंगी कि अभी ऐसी कोई बात साबित नहीं हुई है कि पान के मसाले में जो सेकरीन है, वह हैजारडस है । . . . (**व्यवधान**) . . . सर, हमारा जो नेशनल केंसर इंस्टीट्यूट है, वह इसके ऊपर अपना काम कर रहा है और साथ ही साथ जो हमारा पी० जी० आई०, चंडीगढ़ का इंस्टीट्यूट है, वहां पर भी इसके बारे में सर्वे किया जा रहा है । अभी कोई ऐसे नतीजे पर हम नहीं पहुंचे हैं कि सेकीन की वजह से केंसर होता है ।

SHRI A. G KULKARNI : She says she is not taking pan masala. What experience has she got about it?

KUMARI SAROJ KHAPARDE: I have experience of friends like *Shri* A. G. Kulkarni, and on that basis I can say that saccharine in pan masala is not hazardous.

श्री मोहम्मद खलीलुर रहमान : जनाब चेयरमैन साहब, मिनिस्टर साहब ने अभी अपने जवाब में कहा कि सेक्रिन हैजार्डस नहीं है तो फिर मैं यह पूछना चाहता हूं कि इसे क्यों नान-पर्मिसिबल कहा गया है, जैसाकि मिनिस्टर साहब ने अपने जवाब में कहा है कि —

"In the year 1987, Delhi Administration lifted samples of different brands of pan masala, out of which 8 were found to contain sacharine which is not permissible in any quantity." तो जब वह हैजार्डस नहीं है तो फिर क्यों इसे नान-पर्मिसिबल कहा गया है ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री मोती लाल वोरा) : माननीय सभापति महोदय, प्रिवेंशन आफ़ फूड एडल्टरेशन एक्ट, 1968 में इस बात का प्रावधान किया गया था कि सेक्रीन का उपयोग पान मसाले में नहीं किया जाय और यह एक्ट फ़ोर्स में है । इसके अंतर्गत पान मसाले के साथ सेक्रीन का उपयोग नहीं किया जाय, इस प्रकार की हिदायतें दी गयी हैं और जुलाई 1987-88 में इस प्रकार की जाहिर चेतावनी भी दी गयी थी कि इसका उपयोग नहीं किया जाय । लेकिन अभी इस प्रकार की कोई स्टडी हमारे देश में नहीं हुई है । अभी हाल ही में एक एक्सपर्ट कमेटी बैठी है । उसकी रिपोर्ट 6 महीने में आएगी और उसके बाद वह एक्सपर्ट कमेटी इस नतीजे पर पहुंचेगी कि पान मसाले में सेक्रीन का उपयोग होना चाहिए या नहीं । वैसे जैसाकि कहा गया है अभी पूरी पाबंदी है ।

SHRI M. KADHARSHA : Neither the hon. Minister is nor am I competent to say whether pan masala is hazardous or not. Already there is a report that mixing of saccharine is hazardous to the health. I would like to know whether mixing of saccharine in pan masala is not violating the Food Adulteration Act. If that is so, what action is being taken by the Government against those manufacturers? I also want to know whether mere advertisements in Delhi papers alone will achieve the desired results and why doesn't the Government advertise it in other places also?

KUMARI SAROJ KHAPARDE: During the year 1987, the department dealing with prevention of food adulteration of Delhi Administration lifted around eleven samples of pan masala and 8 were found to contain saccharine and three were declared as misbranded. Prosecution has been launched against the manufacturers of those eight samples found adulterated due to saccharine. Regarding the three samples declared misbranded, in one case, prosecution has been launched and two are in process. The hon. Member asked about steps Government is taking against use of saccharine in pan masala. Use of saccharine in pan masala is not really permitted as I have mentioned just now and I have already given details of prosecutions launched.

SHRI MOTI LAL VORA : As the hon. Member wanted, I can give details of different samples drawn from different States. I can give information of every State as is available.

MR. CHAIRMAN : You can lay it on the Table of the House.

KUMARI SAROJ KHAPARDE: There is one case in Delhi and five in Maharashtra.

MR. CHAIRMAN : Shri P. N. Sukul.

SHRI V. NARAYANASAMY: He has no right to put the question.

SHRI A. G. KULKARNI: He is the right person to ask a question.

श्री पशुपति नाथ सुकुल : सभापति महोदय, यह कहना कि पान मसाला हैजार्डस है, गलत है, खराब है, मैं इसको मानने को तैयार नहीं हूं (व्यवधान) मैं 30 साल से खा रहा हूं और I am quite hale and hearty. मुझको कोई दिक्कत नहीं है, कोई परेशानी नहीं है पान मसाले से और मैं खिलाता भी रहता हूं लोगों को। जहां तक सैकरीन का सवाल है, मैं आपको बताऊं जो लोग सिर्फ जर्दे का पान खाते हैं वह कभी भी सैक्रीन वाला पान मसाला खा ही नहीं सकते हैं। इसलिए यह कहना कि सब पान मसाले में सैक्रीन होता है, यह बिल्कुल गलत है। हमारे मंत्री महोदय ने बिल्कुल सही कहा है कि अभी यह मामला जेरेगौर है, अण्डर एग्जामिनेशन है और इस पर स्टडी हो रही है (व्यवधान)

श्री सभापति : आप जर्दे के साथ खाते हैं या बिना जर्दे के ?

श्री पशुपति नाथ सुकुल : मैं जर्दे के साथ खाता हूं, सैकरीन के साथ नहीं खाता हूं (व्यवधान)

श्रीमती सूर्यकान्ता ज्यवंत राव पाटील : सभापति महोदय, यहां तो बुरी प्रथाओं का समर्थन किया जा रहा है?

श्री पशुपति नाथ सुकुल : बुरी प्रथाएं! आपके हिन्दुस्तान में 5000 बरस से पान खाय जात है और आफर किया जाता है तीज-त्योहारों में, पूजा में पान खिलाया जाता है और आप कह रहीं हैं कि यह बुरी चीज है (व्यवधान) आप अगर सिगरेट को कहें, सिगार को कहें, पाइप को कहें तो मैं अवश्य मान भी लूं कि लेकिन पान जो हिन्दुस्तान में सबसे पुराना है, सबसे ज्यादा खाया जाता है (व्यवधान)

SHRI BIR BHADRA PRATAP SINGH: It may be very good for Sukulji, but it should not be permitted.

श्री पशुपति नाथ सुकुल : मेरा सिर्फ एक सुझाव है मंत्री महोदय से कि अगर यह शक हो कि सैक्रीन है या नहीं, तो वे इसको कम्पलसरी कर दें कि हर पान मसाले के ब्राण्ड के ऊपर लिखा होना चाहिए कि उसमें क्या-क्या चीजें हैं और उसमें कितना परसेंट है। क्या मंत्री महोदय इस बात पर विचार करना चाहेंगे ?

कुमारी सरोज खापर्डे : सर, हमारे पास पान मसाले का यह लेबल है (व्यवधान) इसमें क्या-क्या है, लिखा हुआ है, सैक्रीन के बारे में लिखा हुआ नहीं है क्योंकि सैकरीन के बारे में अभी अण्डर कंसिडरेशन है (व्यवधान)

श्री मोती लाल वोरा : माननीय सभापति महोदय, माननीय सुकुल जी ने जो कहा है पान मसाले के बारे में उसमें कोई

दो राय नहीं है लेकिन जहां तक सैकरान का सवाल है, सैकरान का उपयोग नहीं करने का हिदायत दी गई है और सैकरान का उपयोग जो लोग करते थे, कितने लोग उन पर कार्रवाई की गई है, उनको प्रोसिक्यूशन किया गया और जहां तक पान मसाले का सवाल है चुकि 30 साल से खा रहे हैं और उनको कोई हानि नहीं हुई है । मैंने भी पान मसाला खाया था, लेकिन छोड़ दिया, हानि के कारण नहीं, मैंने तय किया कि पान मसाला नहीं खाऊंगा, इसलिए (व्यवधान)

श्री लाल कृष्ण आडवाणी : यहां तो सुकुल जी जैसे लोग हैं वह तो चाहेंगे कि सबके लिए कम्पलसरी हो जाए लेकिन ऐसे भी लोग मिलते हैं तो कहते हैं कि सिगरेट मैं 30 साल से पीता हूं, कोई हानि नहीं है लेकिन इसके बावजूद विश्व भर में इस बात को स्वीकार किया गया जिसके कारण स्टेचुटरी वार्निंग लगाना अनिवार्य हो गया । मैं मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि केवल सैकरीन के कारण नहीं लेकिन मैंने कुछ प्रैक्टिकल पढ़े हैं, मैं कोई अथॉरिटी नहीं हूं, लेकिन डाक्टरों का प्रोपीनियन देखा है कि जिसमें उन्होंने पान मसाले को हैजर्डस बताया है । मैं नहीं जानता हूं, मैं चाहूंगा कि सरकार इसको अच्छा तरह से छान-बीन करे और अगर वह पाए तो जिस प्रकार से सिगरेट व दूसरे वस्तुओं पर स्टेचुटरी वार्निंग अनिवार्य होता है, वैसी वार्निंग पान मसाले के डिब्बों पर भी अनिवार्य कर दी जाए । क्या सरकार इस पर विचार करेगी ?

श्री मोती लाल वोरा : माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जो सुझाव दिया है उस पर सरकार निश्चित रूप से विचार करेगी । मैं समझता हूं कि अगर पान मसाले के ऊपर इस प्रकार के लेबल लगा दिए जाएं जो उसमें कोई हानि नहीं होगी, लेकिन एक एक्सपर्ट कमेटी भी बैठा है और उसकी बैठक 3 महीने पहले हो चुकी है और 3 महीने बाद उसकी रिपोर्ट आ जाएगी तो निश्चित रूप से हम उस पर कार्यवाही करेंगे ।

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया: पान मसाला खाने वालों से एक फायदा तो जरूर हुआ है कि पहले बिहार या यू० पी० के साइकिल पर मैं जाकर देखा जाता था तो लिखा जरूर रहता था कि थूक-थूक थूकें मत, पान खाकर थूक-थूक थूक देते थे लेकिन पान मसाला खाकर कम से कम थूकते नहीं है लोग । पर जहां तक सैकरीन युक्त मसाले का बात है, जब अमरीका जैसे देश में सैकरीन का प्रयोग लोगों ने बंद कर दिया है और यहां पर मंत्री महोदय कह रहे हैं कि सैकरीन हानिकारक नहीं है, तो मैं मंत्री महोदय से इतना ही कहना चाहता हूं कि ऐसा कोई भी विचार सदन के सामने रखने से पहले मेडिकल एक्सपर्टस से राय ले लिया करें, क्या उनको इस राय का पता है या नहीं कि अमरीका में सैकरीन का प्रयोग बंद है या नहीं ?

श्री मोती लाल वोरा : श्रीमान, सभापति महोदय, अमरीका में सैकरीन का प्रयोग 1992 तक जारी रखने का निर्णय लिया गया है और डब्लू० एच०ओ० और एफ० ए० ओ० का जो रिपोर्ट हैं उसमें इस बात को कहा गया है कि सैकरीन का प्रयोग किस मात्रा में किया जाना चाहिए । तो सैकरीन का पान मसाले में प्रयोग का जहां तक सवाल है, उसकी अभी भी पाबंदी है । फूड अडल्ट्रेशन ऐक्ट के अंतर्गत इसकी अनुमति कहीं नहीं दे रहे है, इसलिए माननीय सदस्य को मैं कहना चाहता हूं कि हम इस पर पूरी तरह से कार्यवाही कर रहे हैं । जहां कहीं भी ऐसे मामले आते हैं, उनका सैंपल सर्वे करते हैं और उन पर कार्यवाही करते हैं ।

डा० बापू कालदाते : सभापति महोदय, मैं तो पान मसाले की बात नहीं करता क्योंकि, मैं तो पान-मसाला नहीं खाता, मैं तो जर्दा वाला पान खाता हूं जिसमें सैकरीन नहीं होती । इसलिए मेरा यह समस्या नहीं है । यहां पर बहुत चर्चा उसके बारे में चल रही है । तो जब तक सरकार यह सोच रही है और जब तक एक्सपर्ट कमेटी की रिपोर्ट नहीं आ जाती तब तक पान मसाले वालों को बंद करने का कोई सुझाव आपके सामने है क्या ?

श्री मोती लाल वोरा : श्रीमन्, यह प्रश्न तो पान मसाले में सैकरीन मिलाने का है और सैकरीन की मिलावट को रोका गया है,

पान मसाले को बंद करने का प्रश्न हमारे सामने नहीं है और उसके बारे में अभी कोई रिपोर्ट नहीं है । जो कमेटी की रिपोर्ट आएगी वह सेक्रान से संबंधित होगा, और दूसरी चीजों से संबंधित होगा । ऐक्सपर्ट कमेटी की रिपोर्ट आने के बाद ही उसके बारे में अधिकारिक रूप से कहा जा सकता है और उस पर कार्यवाही की जा सकती है ।

श्री मीर्जा इर्शाद बेग : : मान्यवर, यहां पर पान मसाले के समर्थकों की संख्या भारी है । इसलिए बापू कादरे जी, रत्नाकर पांडेय जी, जगेश देसाई जी, बेकल उत्साही जी और सुकुल जी के समर्थन में मैं कहना चाहूंगा कि मिर्जा गालिब ने कुछ और ही कहा था ।

श्री सभापति : मिर्जा इर्शादबेग क्या फरमाते हैं ?

श्री मीर्जा इर्शादबेग : मान्यवर, मीर्जा इर्शादबेग यह कह रहे हैं कि—

क्या बताएं तुम्हें लुत्फे पान मसाला क्या चीज है,

हाय कंबख्त कि तूने खाया ही नहीं ।

मान्यवर, बेकल उत्साही जी बैठे हुए हैं, बड़े समर्थक हैं, वे फरमा रहे हैं :

आजकल पान मसाले में बड़ी लज्जत है,
लोग कुछ शौक में तो जहर भी खा लेते हैं

श्री सभापति : सवाल क्या है आपका ? सवाल खत्म ?

श्री मोती लाल वोरा : मान्यवर, मीर्जा इर्शादबेग जी ने जो कुछ कहा है, उसके बारे में मेरा यह कहना है ।

उम्र तो सारी कटी इश्के बुतां में मोमिन,
अब आखिरी वक्त में क्या खाक मुसलमां होंगे,

श्री सभापति : महोदय, जिन्दगी भर पान मसाला खाया, अब आखिरी बार पान मसाले को कैसे छोड़ें, यह मामला उठ गया है ।

SHRI A. G. KULKANI: Sir, I do not belong to a lobby which practises pan-eating or not eating pan; I belong to a different grade of having some habit.

SHRI RAOOF VALIULLAH: Old habits die hard.

SHRI A. G. KULKARNI: What Mr. Sukul says about pan-eating is quite right. This habit has been there for five thousand years or more than that. You know it, ... you are a pundit. Masala is our आदत। हम घरों में देखते हैं। यह सब बकवास है। यह अच्छा नहीं है।

Only yesterday Dr Srinivasan had given an interview in Bombay about nuclear hazards in which he says that by sitting in an aeroplane, we lose about 40 minutes of life and by drinking Limca, we lose ten minutes of life. Sir, this is all sophisticated American propaganda. So don't appoint committees. This is a historical fact.

ऐसा ही चलेगा और ऐसा ही चलने वाला है। The country will go on like this. I would like to say that experts give opinion on both sides.

श्री राम लाल हरदेव : इन दोनों पार्टियों की एक कमेटी बना दो ।

MR. CHAIRMAN: So you want abolition of the Committee.

SHRI A. G. KULKARNI: You carry on the Indian tradition of five thousand years which has been there.

MR. CHAIRMAN: He want to know whether you are willing to abolish the Committee.

SHRI A. G. KULKARNI: No, not the Committee, Sir, let them work. After all experts also want work.

MR. CHAIRMAN: Then what is your question?

SHRI A. G. KULKARNI: Let them work; let them get the money. But you you do not listen to them.

SHRI MOTI LAL VORA: Sir, the Committee has yet to submit its report. We will definitely consider his advice after receiving the report of the Committee.

MR. CHAIRMAN: Question 343.

Indian Astronaut for Space Flight

*343. SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR:†
SHRIMATI VEENA VERMA:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether an Indian Astronaut would be on the next manned flight in space being planned by the Soviet union; and

(b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF SCIENCE AND TECHNOLOGY AND THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENTS OF OCEAN DEVELOPMENT, ATOMIC ENERGY, ELECTRONICS AND SPACE (SHRI K. R. NARAYANAN): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR: Sir, I have gone through the reply along with the reported agreement with the USSR concerning space exploration. We began our cooperation in 1975 with Aryabhata, followed by Bhaskara I and Bhaskara II in 1979 and 1981. A ten year agreement on cooperation in exploration and use of the outer space for peaceful purposes has been signed between Government of India and USSR. It is my humble submission that space and development go together. No free nation can ignore the space development. In this particular field, as you are well aware, international cooperation is a must, for space is a multilateral phenomenon. Therefore, I would request the Minister to answer the supplementary as to whether there is any possibility of further cooperation between USSR and India for manned flights into the space. If so, what are the financial commitments that India will be required to follow?

SHRI K. R. NARAYANAN: Sir, the answer is only to the question whether there would be cooperation with the Soviet Union on the next manned flight is space. To this I said, "No, Sir". As regards future, we do not have any plans at present but the future is open. We have a very comprehensive cooperation agreement with the Soviet Union and this cannot be excluded from that. But we have no current plan for a flight in the Soviet spacecraft.

SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR: Sir, I am aware that the question has its own limitation. Notwithstanding that, I would request the Minister to take the House in confidence because of the importance of space not only for national development but for defence purposes and its growing importance in the international field. Ste, as you are aware when we come to space, leaving the mundane matters of *pan* and *pan masala*, the debate really is between philosophy and science fact and fiction. It is a dialogue that has haunted man's imagination all through. Now, as you are aware, space exploration is becoming a reality although the question whether the man has come from the space or otherwise man has to enter the space is still unanswered. My humble request to the Government would be that there is a glowing frontier that has opened itself in the space age, and every effort should be made to have multilateral relations concerning space exploration and its uses.

So also we should try to define sovereignty in space sending of man in space or launching of man in space is one of the aspects of national sovereignty. With the view there is already, as you are aware, international legal order that is taking note of space and the sovereignty of the nations. In this background, I would like to ask the hon. Minister whether there is any perspective plan for the purpose of training cosmonauts in this country, and if so, what are its details?

SHRI R. R. NARAYANAN: Sir, as far as space exploration is concerned, I think,

†The question was actually asked on the floor of the House by Shri Bhaskar Annaji Masodkar.